उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

1696. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए केन्द्रीय सरकार को कितने प्रस्ताव भेजे हैं ;

(ख) उपर्युक्त प्रस्तावों में से कितने प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गयी है तथा वे किन-किन क्षेत्रों से संबंधित हैं ;

(ग) किन कारणों से शेष परियोजनाओं/स्कीमों को मजरी नहीं दे ी गई है ;

(घ) स्वीकृत परियोजनाओं के नाम क्या-क्या हैं और इन परियोजनाओं के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है ; और

(ङ) क्या उपर्युक्त भाग (घ) में उल्लिखित परियोजनाओं से किसी के निर्माण कार्य में विलम्ब किया जा रहा है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) पिछले तीन वर्षों अर्थात् 1988–89 से 1990–91 के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 327 प्रस्ताव भेजे थे ।

(ख) पिछले तीन वर्षों में 241 प्रस्ताव अनुमोदित किए गए थे । ये राज्य के ऐसे सभी क्षेत्रों से संबंधित हैं जहां से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं ।

(ग) शेष प्रस्तावों को, राज्य द्वारा अनुमोदित वार्षिक कार्यक्रम में शामिल न करने, सम्पूर्ण तकनीकी और अन्य ब्यौरे न भेजने, भूमि अधिग्रहण में विलम्ब करने आदि जसे विभिन्न कारणों से संस्वीकृत नहीं किया जा सका ।

(घ) संस्वीकृत परियोजनाओं के श्रेणी-वार ब्यौरे अ.र उनकी संख्या तथा संस्वीकृत लाग संलग्न विवरण में दी गई है (नीचे दे दिये) ।

(ङ) कुल मिलाकर संस्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन में विलम्ब नहीं होता है । तथापि कुछ परियोजनाओं में ठेकेदारों द्वारा धीमी प्रगति, न्यायालय में लंबित मामलों और कुछ पुल कार्यों के संबंध में विस्तृत डिजाइनों और टेंडरों को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण विलम्ब हो रहा है ।

विवरण

क्र.सं.	कार्यों की श्रेणी	कार्यों की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रु.)
1.	पैदल पथ को मजबूत बनाना . . .	60	14287.9
2.	भूमि अधिग्रहण	4	642.1
3.	सड़क को चौड़ा करना	6	4956.9
4.	बाईपासों का निर्माण	2	780.1
5.	पुल	18	800.8
6.	पुलियां	24	278.2
7.	विविध कार्य जैसे सड़क संकेत शोल्डर्स, सर्वेक्षण एवं जांच पड़ताल जंक्शन आदि ।	127	2123.8
	कुल :	241	